RAF SECTOR
NEWS CLIP
09/11/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Nav Bharat Times, Delhi

अयोध्या के इन सवालों के मिलेंगे जवाब

अयोध्या के राम मंदिर-बाबरी मस्जिद जमीन विवाद पर आज फैसला आ आएगा। इसमें कई ऐतिहासिक सवालों के जवाब मिलेंगे। सुप्रीम कोर्ट में 40 दिनों की मैराथन सुनवाई में 11 अहम बिंदुओं पर मुस्लिम और हिंदू पक्षकारों ने अपने-अपने दावे पेश किए। इनमें रामजन्म स्थान, एएसआई की रिपोर्ट, विवादित स्थल पर होने वाली पूजा और नमाज से लेकर अन्य अहम बिंदुओं पर बहस हुई। इस ऐतिहासिक विवाद की जड़ में कौन से हैं बड़े सवाल, इन पर हिंदू और मुस्लिम पक्ष के क्या दावे हैं... पढ़िए राजेश चौधरी की रिपोर्ट

1 विवादित स्थल पर मालिकाना हक किसका है?

हिंदू पक्षकार

मुस्लिम पक्षकार

3 क्या ASI की रिपोर्ट सही है?

हिंदू पक्षकार (राम लला विराजमान, दूसरे पक्ष)

मुस्लिम पक्षकार (सुन्नी वक्फ बोर्ड)

6 विदेशी यात्रियों की बातों पर क्या हैं दावे?

हिंदू पक्षकार

मुस्लिम पक्षकार

8 विवादित स्थल पर पूजा होती थी या नमाज?

हिंदू पक्षकार

9 विवादित स्थल पर कब्जा किसका था?

हिंदू पक्षकार

10 मस्जिद टूटने के बाद भी मस्जिद रहती है क्या?

हिंदू पक्षकार

2 भगवान राम का जन्मस्थान

4 क्या जन्मस्थान

हिंदू पक्षकार

मुस्लिम पक्षकार

Nav Bharat Times , Delhi

अयोध्या : आई फैसले की घड़ी, सरकार सतर्क खड़ी

एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : अगले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट से अयोध्या पर प्रस्तावित फैसले को लेकर योगी सरकार और बीजेपी दोनों ही इस समय 'सावधान' मोड में आ गए हैं। फैसले के बाद प्रदेश में अमन-चैन कायम रहे यह सरकार की चिंता है। वहीं, करीब तीन दशक से अपनी सियासत के कोर अजेंडे की राह आगे बढ़ते देख बीजेपी ने भी गुपचुप जमीन संभालने और बनाने दोनों शुरू कर दी है।

चीफ जस्टिस रंजन गोगोई 17 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। उसके पहले छुट्टियों व दूसरी व्यस्तताओं को देखते 13 या 14 नवंबर को फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही है। यूपी में सत्ता और सियासत दोनों के लिए ही फैसले की तारीखें एक परीक्षा जैसी हैं। इसलिए तैयारियां भी उसी के हिसाब से शुरू हो गई हैं।

सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को फैसला आने तक उनका कोई भी बाहर का कार्यक्रम नहीं लगाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान योगी राजधानी में रहेंगे और यहीं से स्थितियों की मॉनिटरिंग करेंगे। दूसरी ओर सीएम के निर्देश पर मंत्रियों ने अपने प्रभार वाले जिलों में दौरे के कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। योगी ने सभी मंत्रियों को अपने प्रभारी जिलों में जाकर पीस कमेटियों, प्रबुद्ध जनों और प्रशासन के साथ बैठक करने को कहा था।

AFP

केंद्र सरकार की तरफ से अयोध्या में सुरक्षा की तैनाती के लिए अर्द्धसैनिक बलों के 4,000 जवानों को भेजा गया है

माहौल परखने में जुटी बीजेपी

बैठक करने को कहा था। जिससे शांति-व्यवस्था बनाई रखी जाए और समाज के विभिन्न वर्गों को भी विश्वास में लेकर फैसले के समय सौहार्द बनाए रखा जा सके। राम मंदिर आंदोलन से उपजी बीजेपी ने इस अहम घड़ी पर जमीन पर बिना शोर काम शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार संगठनात्मक चुनाव की गति भी इसके चलते धीमी पड़ गई है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश व संघ के 'परामर्श' के बाद शीर्ष चेहरों से लेकर निचले स्तर तक सबको पहली हिदायत जुबान पर लगाम लगाने की दी गई है। भड़काऊ व बड़बोले बयानों से खास तौर पर किनारा करने को कहा गया है। संगठन के अहम चेहरों को समाज के विभिन्न हिस्सों के बीच बैठकर बात करने को कहा गया है। फैसले के चलते संगठनात्मक चुनावों की गति भी मंद पड़ गई है। पार्टी के एक नेता का कहना है कि मंडल अध्यक्षों का चुनाव प्रक्रिया में है। इसके बाद जिलों के चेहरे चुने जाने थे। लेकिन, फैसले को देखते हुए जिलाध्यक्षों के चुनाव की डेडलाइन आगे बढ़ सकती है।

केंद्र ने राज्यों से अलर्ट रहने को कहा

भाषा, नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से अलर्ट रहने और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। गृह मंत्रालय ने यूपी और खासतौर पर अयोध्या में सुरक्षा तैनाती के लिए अर्द्धसैनिक बलों के 4,000 जवानों को भेजा है। एक अधिकारी ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा बलों को तैनात करने को कहा गया है।

78 प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाई गई

भाषा, नई दिल्ली : रेलवे पुलिस ने गुरुवार को सुरक्षा तैयारियों पर अपने सभी मंडलों के लिए एडवाइजरी जारी किया। सूत्रों ने बताया कि आरपीएफ ने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। उन्हें ट्रेनों की सुरक्षा में तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन स्थानों की पहचान की गई है जो हिंसा के लिहाज से संवेदनशील हो सकते हैं या जिनका विस्फोटकों को छिपाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

Amar Ujala , Kanpur(UP)

अयोध्या पर फैसले की घड़ी : गृह मंत्रालय ने राज्यों को किया अलर्ट

आरपीएफ कर्मियों की छुट्टियां रद्द, सुरक्षा एडवायजरी जारी

अमर उजाला ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली/अयोध्या। अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और कानून व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखने को कहा है। इसके साथ ही अर्धसैनिक बल के 4,000 जवानों को ऐहतियातन उत्तर प्रदेश भेजा गया है। दूसरी ओर, आरपीएफ ने भी अपने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर महत्वपूर्ण स्टेशनों की सुरक्षा-व्यवस्था का अलर्ट जारी किया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सभी राज्यों को भेजे सामान्य परामर्श में कहा है कि वे किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति न बनने दें। यूपी सरकार की मदद के लिए 40 कंपनी अतिरिक्त अर्धसैनिक बल भेजे गए हैं। इनकी तैनाती अयोध्या संवेदनशील स्थानों पर की जाएगी। गौरतलब है कि सीजेआई रंजन गोगोई 17 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में फैसला उससे पहले आने की संभावना है।

>> फैसले की घड़ी : पेज 2

कानपुर के संवेदनशील इलाकों में जवानों को तैनात कर दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर स्वरूपनगर में आरएएफ ने मार्चपास्ट किया।

कानपुर : खुफिया विभाग की रिपोर्ट, शांति व्यवस्था बनी रहेगी

कानपुर। अयोध्या मसले पर फैसला किसी के भी पक्ष में आए, आपसी सौहार्द बना रहेगा। इसका किसी तरह का असर लोगों पर नहीं होगा। शांति व्यवस्था बरकरार रहेगी। ऐसा इनपुट खुफिया एजेंसियों को मिला है। सकारात्मक इनपुट से पुलिस प्रशासन को भी राहत मिली है। >> माई सिटी 2 पर

4000

अतिरिक्त अर्धसैनिक केंद्र सरकार ने यूपी के लिए भेजे

सील हो रहीं गलियां और सड़कें

पैदल रास्ता भी बंद

अयोध्या में बृहस्पतिवार को अतिसंवेदनशील परिसर के पीछे मोहल्लों की सड़कें व गलियां सील कर दी गईं। पैदल भी आने का रास्ता नहीं छोड़ा गया है। लोग खाने-पीने व जरूरत के सामान जुटा रहे हैं। चेकपोस्ट-बैरियर पर सघन तलाशी की जा रही है।

अयोध्या तैयार, सील होने लगीं सड़कें

अयोध्या (धीरेंद्र सिंह)। श्रीरामजन्मभूमि और बाबरी मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट से आने वाले फैसले को लेकर अब प्रशासन व सुरक्षा एजेंसियों का अगला कदम शुरू हो गया है। बृहस्पतिवार को अतिसंवेदनशील विवादित परिसर के पीछे मिश्रित आबादी वाले मोहल्लों की सड़कें-गलियां बल्लियों से सील की जा रही हैं। यहां से पैदल भी सड़क पर आने का रास्ता नहीं छोड़ा जा रहा है। घरों में कैद होने को मजबूर दोनों समुदाय के लोगों में अनहोनी की आशंकाएं बढ़ रही हैं। वे अब बड़े-बुजुर्ग व बच्चों को सुरक्षित रखने के साथ खाने-पीने व जरूरत के सामान जुटाने को प्राथमिकता देने लगे हैं। चौदहकोसी व पंचकोसी परिक्रमा समाप्त होते ही बृहस्पतिवार से प्रशासन ने फैसले के लिए अयोध्या की तैयारी पर काम तेज कर दिया। सुबह से ही नजारा बदला-बदला सा था। हर चेकपोस्ट-बैरियर पर आने-जाने वालों को सघन तलाशी के बाद ही रामनगरी की ओर बढ़ने की इजाजत दी जा रही थी। श्रद्धालुओं, साधु-संतों से लेकर रोज आने-जाने स्थानीय लोगों-व्यापारियों के बैग-झोले खंगाले गए। मोबाइल के चार्जर तक रखवा लिए गए। फैजाबाद के बेनीगंज में बैरियर लगा दिया गया। यहां से ट्यूशन जाने वाले बच्चों, दुकानदारों-कारोबारियों की बाइकें-साइकिलें तक रोक दी गईं। बीवी-बच्चों के साथ अवध विवि के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दीपक कोरी भी परेशान लोगों में शामिल थे। बोले-ऐसी रोक-टोक पहले नहीं थी, लगता है फैसला आने वाला है।

The Times Of India , Delhi

SC to rule on 70-year-old Ayodhya land case today

Judgment To Be Pronounced At 10.30am

Dhananjay.Mahapatra
@timesgroup.com

New Delhi: In dramatic fashion, the Supreme Court notified at 9pm on Friday that Saturday will be judgment day for the 70-year-old Ayodhya dispute involving ownership

FULL COVERAGE: P 15

claims by Hindu and Muslim parties over an area of 1,487sq yards in the UP town.

A bench of CJI Ranjan Gogoi and Justices S A Bobde, D Y Chandrachud, Ashok Bhushan and S Abdul Nazeer decided to deliver the verdict on a court holiday, hours after the CJI and Justices Bobde and Bhushan met the UP chief secretary and the DGP to take stock of security arrangements in Ayodhya and the state. Delhi Police too beefed up security at the judges' houses.

The announcement sharpened the suspense on the verdict, keenly awaited by both sides. The Ayodhya dispute has been central to national politics, marking an ideological cleavage between BJP and its "secular" opponents. Several Hindu and Muslim organisations have called for calm ahead of the ruling while the Centre and states are on alert.

▶Continued on P 15

TOWN LOCKED DOWN, DIGITAL VIGIL UP

- Digital war room set up at UP police HQ, Lucknow, with 15-member social media unit and **3 lakh digital volunteers** on the ground
- Team to keep tabs on WhatsApp messages in **25 sensitive UP districts** through 24x7 hotline with its volunteers
- Citizens too can report communally sensitive or derogatory messages in social media on WhatsApp number 8874327341
- **12 companies** of central forces, **6 RAF units, 10 PAC companies,** an anti-terror squad and **5,000 cops** in Ayodhya. Security strengthened in other UP cities
- All UP schools & colleges **shut till Monday**

Security personnel stand guard on a street in Ayodhya ahead of the temple verdict

Maintain harmony after verdict: PM

PM Narendra Modi on Friday said the Supreme Court verdict on Ayodhya would not be a victory or defeat for anyone, and appealed to all citizens to maintain harmony after the judgment.

Amar Ujala , Prayagraj (UP)

आरएएफ कर्मियों को किया जागरूक

फाफामऊ(संवाद)। राष्ट्रीय कैंसर दिवस पर आरएएफ 101 बटालियन शांतिपुरम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कैंसर जैसी जानलेवा बिमारी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कावा अध्यक्षा सुनीता निगम ने किया। तेज बहादुर सप्रू अस्पताल की कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा यादव ने कैंसर रोग होने के कारण और इससे बचाव का तरीका विस्तार से बताया। इस मौके पर बल के कमांडेंट आरके निगम ने आश्वासन दिया कि इस प्रकार का जागरूकता शिविर भविष्य में भी आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. केके सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी नरेंद्र कुमार, सहायक कमांडेंट सुरेंद्र सिंह आदि अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।